मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 293, मुंबई, गुरुवार, 13 जनवरी, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र में पांच करोड़ रुपये मूल्य का एम्बरग्रीस जब्त तीन लोग गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में 'एम्बरग्रीस' जब्त किया गया है, जिसकी कीमत करीब पांच करोड़ रुपये बताई गई है। इस संबंध में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि अपराध शाखा ने एक गुप्त सूचना के बाद जाल बिछाया और मंगलवार को मुरुद तालुका के काशीद में गिरफ्तारी और जब्ती की गई।
(समाचार पृष्ठ 3 पर)

महा विकास आघाडी सरकार का बड़ा फैसला

अब से हर दुकानदार को अपनी दुकान का नाम मराठी में लिखना होगा। साथ ही दुकान पर लगी पट्टी में मराठी भाषा में लिखा हुआ नाम बड़े अक्षरों में लिखना होगा। बुधवार को महाराष्ट्र सरकार की कैबिनेट मीटिंग में यह फैसला किया गया।

महाराष्ट्र की सभी दुकानों पर मराठी भाषा में लगाए जाएंगे बोर्ड

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार की कैबिनेट मीटिंग में बुधवार (12 जनवरी) को एक बड़ा फैसला किया गया। इस फैसले के तहत यह आदेश दिया गया कि अब से राज्य की सभी दुकानों में नाम के बोर्ड मराठी भाषा में लगाने पड़ेंगे।
(समाचार पृष्ठ 3 पर)

मुंबई के संरक्षक मंत्री ने बताए महाराष्ट्र में कोरोना के नए नियम

'अब लक्षण नहीं तो टेस्ट नहीं'

मुंबई। महाराष्ट्र में अब आप किसी कोरोना पॉजिटिव शख्स के संपर्क में आते हैं और आपके अंदर अगर कोविड के लक्षण नहीं दिखाई देते हैं तो अब आपका कोविड टेस्ट नहीं करवाया जाएगा। अब तक 3टी के नियम (ट्रेसिंग, ट्रैकिंग, टेस्टिंग) के तहत अगर किसी की कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आती थी तो उससे संपर्क में आने वाले लोगों को ढूंढ-ढूंढ कर टेस्ट करवाया जाता था।
(समाचार पृष्ठ 3 पर)

संजय राउत का ऐलान

यूपी में 50 से 100 सीटों पर चुनाव लड़ेगी शिवसेना, फड़णवीस को बताया गोवा बीजेपी में फूट का जिम्मेदार

मुंबई। देश भर में एक तरफ कुदरत के कहर से तापमान लगातार गिर रहा है। दूसरी तरफ पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा के बाद पॉलिटिक्स का पारा चढ़ रहा है।
(समाचार पृष्ठ 3 पर)

आज पीएम नरेंद्र मोदी करेंगे मुख्यमंत्रियों से संवाद, सीएम उद्धव ठाकरे भी लेंगे भाग

इस बीच बता दें कि कोविड के मामलों पर चर्चा के लिए गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के 30 मुख्यमंत्रियों से संवाद करेंगे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी इस मीटिंग में भाग लेने वाले हैं। इस मीटिंग में कोरोना से निपटने के लिए आगे की उपाय योजनाओं पर चर्चा की जाएगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

पाबंदियों का असर

कोरोना संक्रमितों की तेजी से बढ़ती संख्या और ओमीक्रोन वेरिएंट के विस्तार से आशंकित राज्य सरकारें एक बार फिर आंशिक लॉकडाउन की ओर लौट चली हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में तो कई पाबंदियां पहले से ही लागू हैं, पर दिल्ली सरकार ने अब और सख्ती बरतते हुए सभी निजी दफ्तरों को भौतिक रूप से बंद करने का फैसला किया है, रेस्तरां, होटलों में बैठकर खाने पर भी रोक लगा दी गई है। वैसे तो, एहतियात बरतने के किसी भी कदम का स्वागत ही किया जाएगा, लेकिन सरकारों को यह भी ख्याल रखना होगा कि उनके किसी कदम की अनिवार्यता और उसके असर से गहरी सामाजिक विसंगति न पैदा होने पाए। दफ्तरों में कर्मचारियों की उपस्थिति को पूरी तरह रोकने से कोविड संक्रमण को काबू में करने में कितना फर्क पड़ा, इसका कोई ठोस अध्ययन अब तक हमारे सामने नहीं आया है, अलबत्ता, ऐसे आंकड़े जरूर हमारे सामने हैं, जो बताते हैं कि पिछले लॉकडाउन ने कितने निम्न-मध्यवर्गीय परिवारों को फिर से गरीबी की खाई में धकेल दिया और बेरोजगारी देश में किस स्तर पर पहुंची! इसमें तो कोई दोराय हो ही नहीं सकती कि बात जान बचाने की हो, तब गरीबी की चिंता प्राथमिकता सूची में उसके बाद ही रहेगी, मगर विडंबना यह है कि गरीबी की देर तक अनदेखी भी अंततः जानलेवा होती है। पिछले दो साल में देश का विशाल तबका आर्थिक तंगी झेलने को अभिशप्त रहा। यकीनन, सरकार ने अपनी कल्याणकारी भूमिका में गरीबों तक अनाज पहुंचाने के उपक्रम किए हैं, मगर जिंदगी की जरूरतें सिर्फ पेट भरने तक महदूद नहीं हैं। इसके आगे की मांगों के लिए धन चाहिए और जब आर्थिक गतिविधियां ठप होती हैं, तब सबसे ज्यादा मार दिहाड़ी मजदूरों या सबसे कम पगार वाले मुलाजिमों की जिंदगी पर पड़ती है। इसलिए सरकारों को उन्हें ध्यान में रखते हुए ही फैसले करने चाहिए। पिछले एक साल में भारत ने टीकाकरण के मामले में एक लंबा सफर तय किया है, हालांकि विशाल आबादी के कारण इसे अब भी मीलों की दूरी तय करनी है। कहने की आवश्यकता नहीं कि नई लहर से निपटने के लिए देश के अस्पताल कहीं बेहतर स्थिति में होंगे। सरकार ने इस दौरान स्वास्थ्य क्षेत्र को अधिक आर्थिक संसाधन भी मुहैया कराए हैं। फिर सरकार के ही आंकडे. बता रहे हैं कि इस बार अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यकता पांच से दस प्रतिशत मामलों में पड़ रही है, जबकि पिछली लहर में 20 से 23 प्रतिशत मरीजों को अस्पतालों की जरूरत पड़ी थी। ऐसे में, अधिक व्यावहारिक कदम उठाने की जरूरत है। केंद्र व राज्य सरकारों और महामारी नियंत्रण से जुड़ी सर्वोच्च नियामक संस्था को इस बात पर गौर करना चाहिए कि एहतियाती कदमों की रूपरेखा तय करते हुए उन वर्गों के आर्थिक हितों की रक्षा हो सके, जो रोजगार के लिहाज से सबसे नाजुक स्थिति में हैं। ऐसे लोगों में टीकाकरण को अधिक गति देने की दरकार है। एक तरफ, हम बूस्टर डोज देने की शुरूआत कर चुके हैं और दूसरी तरफ करोड़ों लोग अब भी पहले टीके से ही दूर हैं। डब्ल्यूएचओ बार-बार कह चुका है कि महामारी कल ही खत्म नहीं होने जा रही, तो फिर हमें भी इस लिहाज से एक दीर्घकालिक रणनीति अपनाने की जरूरत है, ताकि कोई भी फैसला किसी के साथ निर्मम होने का एहसास नहीं कराए।

आर्थिक बदहाली असली मुद्दा

देश में आज भी सबसे ज्यादा रोजगार देने वाला सेक्टर कृषि है। देश की 60 फीसदी आबादी अब भी कृषि पर निर्भर है लेकिन सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी में इसका हिस्सा घट कर 15 फीसदी हो गया है। सोचें, 1967 में जीडीपी में कृषि का हिस्सा 43 फीसदी था और तब 80 फीसदी लोग इस पर निर्भर थे। अब कृषि पर निर्भर आबादी में 20 फीसदी की कमी आई है और जीडीपी में कृषि का हिस्सा एक-तिहाई रह गया है। किसानों की आय दोगुनी करने का जुमला अब बंद कर दिया गया है क्योंकि देश के किसानों को पांच सौ रुपए महीने की 'सम्मान राशि' दी जाने लगी है। देश को पांच खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की जुमलेबाजी भी अब नहीं हो रही है क्योंकि देश अब विकास के रास्ते से उतर 'न्यू वेलफेयरिज्म' के रास्ते पर चल पड़ा है।

बिल क्लिंटन ने 1992 के राष्ट्रपति चुनाव में यह जुमला बोला था- इट्स द इकोनॉमी स्टूपिड! उस समय अमेरिकी अर्थव्यवस्था मंदी के दौर से गुजर रही थी। लोगों की आर्थिक स्थिति खराब थी और रोजगार का बड़ा संकट था। तब क्लिंटन ने अर्थव्यवस्था को चुनाव का मुद्दा बनाया था। यह जोखिम भरा फैसला था क्योंकि तब के राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने पहला खाड़ी युद्ध छेड़ कर किसी भी 'नेशनल पॉपुलिस्ट' की तरह अपनी जीत की गारंटी बनवाई थी। उन्होंने 1991 में कुवैत पर हमला किया था और उसके बाद अमेरिकी नागरिकों का 91 फीसदी समर्थन उनके साथ था। एक ही साल बाद 1992 में अमेरिका की अर्थव्यवस्था की बदहाली ने पासा पलट दिया। लेकिन उसके लिए बिल क्लिंटन और उनकी प्रचार टीम को इसे बड़ा मुद्दा बनाना पड़ा। उन्होंने जोखिम लेकर रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं के संकट को मुद्दा बनाया। एक भावनात्मक मुद्दे के ऊपर जीवन से जुड़े रोजमर्रा के संकट को चुनाव की थीम बनाया था।

क्या आज भारत में हालात आर्थिक मंदी वाले नहीं हैं? क्या आज लोगों के सामने रोजगार का संकट नहीं है? क्या आज समाज के हर वर्ग के सामने महंगाई की समस्या नहीं है? क्या आज हर नागरिक की प्राथमिक चिंता बेहतर स्वास्थ्य सेवा की नहीं है? लेकिन अफसोस की बात है कि कोई भी विपक्षी पार्टी इनको चुनावी मुद्दा नहीं बना रही है। भारतीय जनता पार्टी विपक्षी पार्टी के तौर पर पंजाब में चुनाव लड़ रही है लेकिन वह भी प्रधानमंत्री की जान को खतरा, गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों की शहादत और राष्ट्रीय सुरक्षा को मुद्दा बना रही है। इसी तरह बाकी चार राज्यों में कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियां भाजपा के खिलाफ लड़ रही हैं पर वे भाजपा की ओर से बनाए जा रहे सांप्रदायिक नैरेटिव के जाल में फंसी हैं। अन्यथा कोई कारण नहीं था कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी चुनाव की घोषणा के बाद कहते कि 'यह नफरत को हराने का मौका है'। निःसंदेह समाज में फैलाई जा रही नफरत को भी हराना है लेकिन जो नफरत फैला रहे हैं और जिनके खिलाफ नफरत फैलाई जा रही है, दोनों के जीवन को सर्वाधिक प्रभावित करने वाला मुद्दा तो अर्थव्यवस्था का है!

नरेंद्र मोदी 2014 में मनमोहन सिंह की सरकार के खिलाफ अर्थव्यवस्था से जुड़े मुद्दों को चुनावी लाभ के मुद्दों के तौर पर इस्तेमाल कर चुके हैं। 'बहुत हुई महंगाई की मार अबकी बार मोदी सरकार' या 'बहुत हुई पेट्रोल-डीजल की मार अबकी बार मोदी सरकार' या 'अच्छे दिन आने वाले हैं' जैसे नारे प्रत्यक्ष रूप से लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के वादे से जुड़े हुए थे। मोदी के हिंदू हृदय सम्राट वाली छवि उस समय एक अंतरधारा की तरह बह रही थी और ऊपर से गुजरात मॉडल के जरिए विकास की गंगा बहाने का वादा किया जा रहा था। यह भले एक छलावा साबित हुआ लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि विकास का भ्रमजाल रचने वाले लोक लुभावन नारों ने लोगों को आकर्षित किया था और तभी मनमोहन सिंह से उम्मीद लगाने वाला मध्य वर्ग पूरी तरह से भाजपा के साथ चला गया और निम्न मध्य वर्ग व गरीबों को भी मोदी में ज्यादा संभावना दिखी।

इसके बावजूद अफसोस की बात है कि विपक्षी पार्टियां उसके बाद किसी भी चुनाव में महंगाई, बेरोजगारी, विकास दर, मुद्रा की कीमत जैसी आर्थिक वास्तविकताओं को मुद्दा नहीं बना पाईं। बतौर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहले सात साल की तुलना अगर मनमोहन सिंह के पहले सात साल से करें तो फर्क अपने आप दिखेगा। मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के पहले सात साल में औसत विकास दर 8.4 फीसदी रही थी, जबकि मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के पहले सात साल में औसत विकास दर 4.8 फीसदी रही है। पिछले दो साल की विकास दर का कोई मतलब ही नहीं है क्योंकि ये दो साल तो अर्थव्यवस्था के ग्राफ में से ही गायब हो गए हैं। चालू वित्त वर्ष में विकास दर 9.2 फीसदी रहने का अनुमान है। अगर ऐसा होता भी है तब चालू वित्त वर्ष के आखिरी दिन यानी 31 मार्च 2022 को देश की अर्थव्यवस्था का आकार उतना ही बड़ा रहेगा, जितना बड़ा 31 मार्च 2019 को था। सोचें, दो साल से देश अपनी जगह पर खड़ा-खड़ा कदमताल कर रहा है और इस बीच देश के अरबपतियों की संपत्ति 313 अरब डॉलर से बढ़ कर 596 अरब डॉलर यानी लगभग दोगुनी हो गई। अरबपतियों की संख्या के मामले में भारत दुनिया का तीसरा देश बन गया। मुकेश अंबानी की दौलत 93 अरब डॉलर हो गई तो गौतम अडानी की संपत्ति 77 अरब डॉलर हो गई और वे एशिया के दूसरे सबसे अमीर आदमी बन गए। यह चमत्कार कैसे हुआ? देश की जीडीपी दो साल पहले की स्थिति में अटकी है, आम आदमी की आमदनी घट रही है, बेरोजगारी 45 साल के सबसे ऊंचे स्तर पर है, थोक महंगाई का आंकड़ा 14 फीसदी से ऊपर के रिकार्ड स्तर पर है, 23 करोड़ के करीब लोग गरीबी रेखा के नीचे पहुंच गए, आर्थिक विषमता किसी भी समय के मुकाबले ज्यादा हो गई, मुद्रा की कीमत 75 रुपए की रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंच गई, पेट्रोलियम उत्पादों की कीमत उस वादे से ढाई गुना ज्यादा हो गई है, जो 2014 में किया गया था, मेक इन इंडिया के वादे के बावजूद आयात बढ़ रहा है, चीन पर निर्भरता बढ़ रही है, व्यापार संतुलन लगातार बिगड़ता जा रहा है, लोगों की बचत कम हो रही है, बैंक दिवालिया हो रहे हैं इसके बावजूद चुनिंदा उद्योगपतियों की संपत्ति बढ़ रही है! देश में आज भी सबसे ज्यादा रोजगार देने वाला सेक्टर कृषि है। देश की 60 फीसदी आबादी अब भी कृषि पर निर्भर है लेकिन सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी में इसका हिस्सा घट कर 15 फीसदी हो गया है। सोचें, 1967 में जीडीपी में कृषि का हिस्सा 43 फीसदी था और तब 80 फीसदी लोग इस पर निर्भर थे। अब कृषि पर निर्भर आबादी में 20 फीसदी की कमी आई है और जीडीपी में कृषि का हिस्सा एक-तिहाई रह गया है। किसानों की आय दोगुनी करने का जुमला अब बंद कर दिया गया है क्योंकि देश के किसानों को पांच सौ रुपए महीने की 'सम्मान राशि' दी जाने लगी है। देश को पांच खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की जुमलेबाजी भी अब नहीं हो रही है क्योंकि देश अब विकास के रास्ते से उतर 'न्यू वेलफेयरिज्म' के रास्ते पर चल पड़ा है। 'न्यू वेलफेयरिज्म' का जुमला अरविंद सुब्रह्मण्यम ने गढ़ा था, जो नरेंद्र मोदी सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार थे। अब यहीं जुमला चुनाव जीतने का मूलमंत्र बन गया है और किसी पार्टी में साहस नहीं है कि वह इससे अलग हट कर सोचे और जोखिम लेकर जनता के सामने असली मुद्दे उठाए।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,
एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

सड़क दुर्घटना में पत्रकार फिरदोस सुरती के भाई समीर मोहम्मद तकी मुकदम की दर्दनाक मौत

मृतक समीर मोहम्मद तकी मुकदम

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। सड़क दुर्घटनाओं का मामला थमने का नाम ही नहीं ले रहा है अभी कुछ दिन पहले ही व्हाय जंक्शन पर गाड़ी की चपेट में आ जाने से दो पहिया एक्टिवा वाहन चालक की घटनास्थल पर ही मौत का मामला शांत भी नहीं हुआ था कि गत 11 जनवरी मंगलवार शील डाइगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाला इलाका खान कंपाउंड में दो पहिया वाहन चालक की गाड़ी के पिछले पहिए की चपेट में आने से घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक का नाम समीर मोहम्मद तकी मुकदम वर्ष 45 रहवासी अकॉर्ड कंपलेक्स एजाज बिल्डिंग डी विंग पहला माला रूम नंबर 107 दारुल फलाह मस्जिद मुंब्रा और मुकामी उरन के बताया जा रहा है यह व्यक्ति अपनी एक्टिवा गाड़ी एमएच 04 एचटी 4555 से नवी मुंबई के कलंबोली परिसर से अपना रिक्शा ड्राइविंग लाइसेंस का टेस्ट देकर वापस घर पर आ रहे थे तभी 4 बजे के आसपास शिलफाटा परिसर के खान कंपाउंड में सड़क की बत्तर दुर्दशा के कारण गाड़ी का संतुलन बिगड़ने की वजह से पास से जा रहा बड़ा ट्रेलर एमएच 46 एच 1687 के पिछले पहिए की चपेट में आकर सर कुचले जाने से घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई स्थानिक रहवासियों द्वारा पुलिस को सूचित किया गया सूचना मिलते ही शील डाइगर पुलिस स्टेशन के एपीआई मलिक घटनास्थल पर पहुंचकर लाश का पंचनामा कर अपने ताबे में लेने के बाद लाश को कलवा के छत्रपति शिवाजी महाराज हस्पताल पोस्टमार्टम हेतु के लिए भेज दिया और ट्रेलर चालक के विरुद्ध में भारतीय दंड संहिता सीआरपीसी आईपीसी की धारा 304ए 279 184 134(ए)(बी) के तहत मामला दर्ज कर लिया इस मामले में गाड़ी चालक फरार बताया जा रहा है गाड़ी को अपने ताबे में लेने के बाद फरार गाड़ी चालक की शील डाइगर पुलिस द्वारा तलाश की जा रही है विश्वासनियासूत्रों द्वारा बताया जा रहा है कि पिछले 1 महीने में यह चौथी दुर्घटना है जो शिलफाटा परिसर से व्हाय जंक्शन के दरमियान घट रही है और लगातार इस सड़क पर दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है तो प्रशासन से निवेदन है की सड़क की दुर्दशा पर ध्यान दें और जो भी कमी है उसे जल्द से जल्द ठीक कराएं ताकि भविष्य में किसी और को दुर्घटना का सामना ना करना पड़े यह आपसे हृदय पूर्वक निवेदन है।

कौसा परिसर के एमएम वैली कब्रस्तान मिट्टी भरनी को लेकर फिर विवादों के घेरे में

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। मुंब्रा कौसा की बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए कब्रिस्तान की कमी मुंब्रा वालों को खल रही है देखा जाए तो मुंब्रा कौसा परिसर में मात्र दो ही कब्रस्तान है एक कब्रिस्तान अमृत नगर परिसर में हजरत ख्वाजा सैयद फखरुद्दीन शाह बाबा रहमतुल्ला अलेह के निकट है और एक कब्रिस्तान कौसा परिसर में हुआ करता था इसे बंद कर दिया गया है और एक कब्रिस्तान जो पहले मित्तल ग्राउंड में पास हुआ था उसको परिवर्तन कर कौसा के एमएम वैली परिसर में पांच एकड़ कब्रिस्तान दिया गया जब से यह कब्रस्तान परिवर्तन हुआ है तब से एमएम वैली कब्रस्तान विवादों में ही रहा है कभी मॉनसून के महीने में इस कब्रिस्तान में पानी भरने को लेकर कीचड़ को लेकर और कभी दफन की गई मय्यत को लेकर अक्सर विवादों के घेरे में ही नजर आया है अभी हाल ही में यह फिर विवादों के घेरे में नजर आ रहा है कारण मिट्टी भरनी हालांकि प्रशासन द्वारा इस एमएम वैली कब्रिस्तान में करोड़ों रुपए की भरनी की गई उस पर भी विवाद चला बताएं जाता है जितनी मट्टी डालनी चाहिए थी उसमें भी घोटाला होते हुए नजर आया इस एमएम वैली कब्रस्तान को देखकर मानो ऐसा व्यतीत होता है जैसे किसी को मारना ही नहीं है राजनीतिक लोगों को यह समझ में क्यों नहीं आता कि हमको भी एक दिन इसी कब्रस्तान में दफन होना है तो क्यों ना हम आखिरत की जगह पर राजनीति न करते हुए उसको सही तरह से बनाएं ना कि उसमें राजनीति करें फिलहाल एमएम वैली कब्रिस्तान मैं मिट्टी भरनी की काफी आवश्यकता है तकरीबन पांच फुट मिट्टी भरने के बाद ही कब्रिस्तान सही नजर आएगा और उसमें आसानी से मय्यतो को दफन किया जा सकता है समाज सेवी संस्था मुंब्रा यूथ फाउंडेशन द्वारा इस बात की लिखित शिकायत मुंब्रा प्रभाग समिति कलेक्टर और प्रशासन के आला अधिकारियों तक की गई है परंतु जवाब यह दिया गया क्या हमारे पास फंड नहीं है और समाज सेवकों का इस मामले में यह कहना है चार महीने बाकी रह गए हैं मॉनसून को आने के लिए अगर अभी भरनी नहीं की गई तो यह कब्रस्तान पूरी तरह से दलदल बन जाएगा और इसमें दफन की गई मय्यत ऊपर आ जाएंगी और मय्यतो की बेहुरमति बर्दाश्त करने लायक नहीं होगी समाज सेवक लोगों का मनपा प्रशासन से कहना है अगर उनके पास फंड नहीं है तो वह हमको लिखित रूप में इजाजत दे दे तो हमारी संस्था द्वारा मिलजुल कर एमएम वैली कब्रस्तान में मिट्टी भरने का काम शुरू कर देते हैं ताकि आने वाले मानसून में कब्रिस्तान में दफन हुई मय्यतो की बेहुरमति ना हो तो प्रशासन से निवेदन किया जाता है यह कब्रिस्तान का मामला है इसमें किसी प्रकार की कोई भी राजनीति न करते हुए समाज सेवकों को मिट्टी भरने की इजाजत दी जाए ताकि लोगों के प्रति मनपा प्रशासन का अच्छे संकेत जाएं और मुस्लिम समुदाय की आस्था आहत ना होने पाए आपसे निवेदन है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

महा विकास आघाडी सरकार का बड़ा फैसला

सीधे शब्दों में बताएं तो अब से हर दुकानदार को अपनी दुकान का नाम मराठी में लिखना होगा। साथ ही दुकान पर लगी पट्टी में मराठी भाषा में लिखा हुआ नाम बड़े अक्षरों में लिखना होगा। बोल्ड अक्षरों में दुकानों के नाम लिखने का आदेश खास तौर से उन दुकानदारों के लिए दिया गया है जिनकी दुकानों में नाम की पट्टी बड़े अंग्रेजी के अक्षरों में लिखी हुई होती थी और खानापूर्ति के लिए किसी एक साइड में मराठी में भी छोटे अक्षरों में नाम लिखे जाते थे। दरअसल यह फैसला 2017 में ही किया गया था। लेकिन व्यवहार में यह सही तरह से लागू नहीं हो पा रहा था। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में बुधवार को हुई कैबिनेट में इस आदेश को असरदार तरीके से लागू करने का फैसला किया गया है। इस तरह बुधवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में Maharashtra Shops and Establishments (Regulation of Employment and condition of service) Act 2017 यानी 2017 की महाराष्ट्र दुकानें और व्यवस्थापन (रोजगार और सेवा की शर्त) को प्रभावी तरीके से लागू करने का निर्णय किया गया है। इसके अलावा कैबिनेट बैठक में एक और अहम फैसला किया गया। कोरोना के संकट को देखते हुए स्कूल बसों का सालाना वाहन कर पूरी तरह से माफ कर दिया गया। अब तक ऐसे छोटे व्यवसायी जिनके यहां दस के कम संख्या में कर्मचारी काम कर रहे थे, उन्हें इससे छूट मिली हुई थी। लेकिन बुधवार की मीटिंग में छोटे दुकानदारों और व्यापारियों के लिए भी यह नियम सख्ती से लागू किया गया है। यानी अब छोटे दुकानदारों और व्यापारियों को भी अपनी दुकानों में मराठी में लिखे बोर्ड लगाने होंगे। यह साफ तौर से कहा गया है कि मराठी में नाम दूसरी भाषा (अंग्रेजी या अन्य) में लिखे नाम से छोटे अक्षरों में नहीं होने चाहिए। दुकानों का नाम देवनागरी लिपि में और मराठी भाषा में ही बड़े अक्षरों में लिखे जाएं।

संजय राउत का ऐलान

बीजेपी के गोवा प्रभारी देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा चुनाव की संभावनाओं पर बात करते हुए शिवसेना पर जोरदार तंज कसा। उन्होंने कहा कि, शिवसेना की लड़ाई गोवा में इतनी ही रह गई है कि उनलोगों ने डिपॉजिट में जो नोट खर्च गिए हैं उन्हें जब्त होने से कैसे बचाएं। जवाब में शिवसेना सांसद संजय राउत ने बुधवार को मुंबई में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि, यह सही है कि लड़ाई नोटों की है। महाराष्ट्र से नोट भर-भर कर जो बैग गोवा भेजे जा रहे हैं, हमारी लड़ाई उन नोटों के खिलाफ है। संजय राउत ने आगे कहा, फडणवीस महाराष्ट्र से गोवा गए हैं। लेकिन उनके गोवा जाते ही बीजेपी में फूट पड़ गई है।

'अब लक्षण नहीं तो टेस्ट नहीं'

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी नई गाइडलाइन का पालन करते हुए अब जिन लोगों में लक्षण नही है, उनका कोविड टेस्ट नहीं किया जाएगा। यह जानकारी महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री असलम शेख ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए दी। साथ ही मुंबई के संरक्षक मंत्री होने के नाते भी उन्होंने कहा कि, लेकिन मुंबई महानगरपालिका ऐसे लोगों पर नजरें जरूर रखेगी। साथ ही अपने पहले के प्रोटोकॉल के मुताबिक कोई भी बिना लक्षण वाला मरीज अगर हमारे पास आता है, तो हम उसे एडमिट करेंगे। अब अगर आपके मन में इस तरह का कोई कंफ्यूजन है कि एक शहर से दूसरे शहर जाने के लिए जो आरटी-पीसीआर टेस्ट करवाने की शर्त है, उससे छुटकारा मिल गया क्या? तो इसका जवाब है, नहीं। यह नियम ऐसे लोगों के लिए है जो किसी कोरोना पॉजिटिव शख्स के संपर्क में आते थे और लक्षण दिखाई नहीं देने पर भी उन्हें प्रशासन की ओर से कोरोना टेस्ट करवाने के निर्देश दिए जाते थे।

महाराष्ट्र में पांच करोड़ रुपये मूल्य का एम्बरग्रीस जब्त

उन्होंने बताया कि मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोगों के पास से करीब पांच करोड़ रुपये मूल्य का लगभग पांच किलोग्राम एम्बरग्रीस जब्त किया गया। पुलिस ने कहा कि तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। 'एम्बरग्रीस' भूरे रंग का मोम जैसा एक पदार्थ होता है जो व्हेल के पेट में बनता है। व्हेल के मुंह से बाहर आने के बाद यह पदार्थ समुद्र के पानी में तैरता हुआ पाया जाता है।

4 महीने की बच्ची का किडनैप कर 4 लाख में बेचा, खरीदने वाला इंजिनियर गिरफ्तार

मुंबई। चार महीने की एक बच्ची का अपहरण कर उसे तमिलनाडु निवासी एक सिविल इंजिनियर के हाथों 4 लाख 8 हजार रुपये में बेचने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जोन-2 के तहत वीपी मार्ग पुलिस ने इस मामले में 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, 3 जनवरी को 50 वर्षीय अनवारी अब्दुल शेख नाम की एक महिला ने वीपी रोड पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी 4 महीने की बेटी को इब्राहिम अल्ताफ शेख (32) ने अपहरण कर लिया है। पुलिस ने इब्राहिम के खिलाफ अपहरण और मानव तस्करी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। इस मामले की जांच कर रहे एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तकनीकी जानकारी एवं मुखबिर की मदद से पुलिस ने आरोपी इब्राहिम अल्ताफ शेख को गिरफ्तार कर लिया। उससे हुई पूछताछ के आधार पर पुलिस ने करीब आधा दर्जन टीमें बनाकर सायन, धारावी, मालाड, जोगेश्वरी, नागपाड़ा, कल्याण और ठाणे स्थित मुंबई के विभिन्न इलाकों में छापेमारी की। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दो महिलाएं और चार पुरुषों को गिरफ्तार किया। इन आरोपियों से हुई पूछताछ में जानकारी मिली कि उन्होंने बच्ची को तमिलनाडु के एक व्यक्ति को 4 लाख 8 हजार रुपये में बेच दिया है। साउथ रीजन के एडिशनल सीपी दिलीप सावंत और जोन 2 के डीसीपी डॉ. सौरभ त्रिपाठी के मार्गदर्शन में सीनियर पीआई संध्या रानी भोसले ने 2 टीमें बनाकर तमिलनाडु भेजा।

दारा सिंह जैसे दलबदलू नेता के भाजपा छोड़ने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा: चंदन सिंह चौहान

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़
भीलवाड़ा (राजस्थान)। पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमान चंदन सिंह चौहान ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि भारतीय जनता पार्टी को छोड़कर जाने वाले दलबदलू नेता दारा सिंह चौहान के भाजपा छोड़ देने पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा! गौरतलब है कि वह सपा में चले गए हैं! उन्होंने आगे बताया कि उनके साथ में ना कोई समाज है ना ही लोग हैं और ना सहयोगी हैं और भाजपा के साथ पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी खड़ी है! भारतीय जनता पार्टी के साथ पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी कंधे से कंधा मिला कर खड़ी हैं! उत्तर प्रदेश के 403 विधानसभा सीटों पर पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी भारतीय जनता पार्टी के लिए प्रचार प्रसार करेंगी एवं वोट मांगेंगी एवं यूपी में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएंगे! भारतीय जनता पार्टी को छोड़कर जाने वाले सभी नेता दलबदलू हैं! वह समाज के भी नहीं हैं तथा वह निजी स्वार्थ के चलते दल बदलते रहे रहते हैं उनका पुराना इतिहास रहा हैं! लेकिन अब जनता जान गई हैं और पहचान गई हैं! उन लोगों को पर से लोगों का भरोसा टूट गया है! अब उनके साथ कोई भी जनाधार नहीं हैं, जो नेता निजी स्वार्थ देखता हैं वह नेता हो ही नहीं सकता हैं। राजनीति का मतलब होता है राष्ट्रीय हित, अखंडता पर विश्वास रखने वाला और सब को एक साथ लेकर चलने वाला! ऐसे हमारे देश में नेता स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं जो निस्वार्थ भाव से बगैर भेदभाव के सर्वजन की सुख सुविधा स्वास्थ्य शिक्षा का चिंतन करते हैं और संपूर्ण रूप से अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हैं और पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी के समस्त कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी के लिए वोट मांगेंगे और भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएंगे पिथोरा जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि किसी के जाने से कुछ फर्क नहीं पड़ता क्योंकि भाजपा के साथ शोषित दलित पिछड़ा गरीब किसान मजदूर युवा सभी लोग भारतीय जनता पार्टी के साथ हैं पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी के साथ हैं।

पदमपुर में राजस्थान राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारी संघ का काली पट्टी बाँध कर विरोध जारी

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़
भीलवाड़ा (राजस्थान)। श्रीगंगानगर के पदमपुर में राजस्थान राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारियों का अपनी 15 सूत्रीय माँगों को लेकर धरना जारी हैं! इसको लेकर जिला एवं तहसील अध्यक्ष के नेतृत्व में मुख्यमन्त्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में राजस्व कर्मचारियों के तहसील अध्यक्ष मदनलाल ने मांग की कि राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारियों की मांगों पर सरकार द्वारा सकारात्मक निर्णय लिया जाए। सरकार को चाहिए है कि हमारी समस्या का समाधान किया जाए। इसी तरह राजस्व कर्मचारियों ने रोष व्यक्त करते हुए संघ की 15 सूत्री मांग करते हुए बताया कि सचिवालय के समान न तो हमे पद, नाम एवं वेतन भत्ते, उपखण्ड कार्यालय में अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी का पद सर्जित करने, जिला स्तर पर संस्थापन अधिकारी का पद सर्जित करने, मंत्रालयिक कर्मचारियों को

हार्ड डयूटी भत्ता स्वीकृत करने, तहसीलदार की अनुपस्थिति में तहसीलदार का चार्ज अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी (राजपत्रित) को दिए जाने, समयबद्ध पदोन्नति करने, मंत्रालयिक कर्मचारियों को गृह जिले में स्थानानंतरण की नीति बनाने को लेकर हमारी समस्या की सरकार कोई सुनवाई नही कर रही है! हम कब तक चुप्पी साधे बैठे रहेगे? इन मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए मुख्यमन्त्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा व अध्यक्ष ने ज्ञापन में सरकार को चेताया अगर सरकार हमारी समस्याओ को निवारण इसी हफ्ते के भीतर नही करेंगी तो हमारी 10 से 14 जनवरी तक जिले के समस्त राजस्व विभाग के मंत्रालयिक कर्मचारी काली पटटी बांधकर विरोध दर्ज करवाएंगें। यदि मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता है तो आगामी 15 जनवरी को प्रदेश स्तरीय सभा का आयोजन किया जायेगा! आंदोलन के आगामी चरण की घोषणा प्रदेश नेतृत्व के आहवान पर की जायेगी। इस मौके पर सुखदेव सिंह सहायक प्रशासनिक अधिकारी, सुनील कुमार, कृष्णलाल बिरट, प्रिंस सिंह वरिष्ठ सहायक, सुरेन्द्र कुमार, अजय कुमार, भीमसेन, हर्ष, अशोक दत मीणा, मुकेश कुमार, विकास मीणा कनिष्ठ सहायक मौजूद रहे! उक्त जानकारी क्षेत्रीय वरिष्ठ पत्रकार सुश्री पुष्पा भाटी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी है।

गंदे पानी से की जा रही है गाजर की धुलाई एवं सफाई

संवाददाता/नदीम अख्तर
टाण्डा (रामपुर)। रामपुर रोड स्थित अब्दुल्ला विन मसऊद मदरसा के निकट तालाब जिसमें नगर का गन्दा पानी काफी मात्रा में जमा रहता हैं उसके गन्दे पानी से गाजर की धुलाई एवं सफाई की जा रही हैं बाद में वहीं गाजर खाने में प्रयोग हेतु बाजार के अन्दर फड़ आदि पर लगाकर खुलेआम बेची जाती हैं पहले से तालाब में गन्दा पानी जमा होने के साथ साथ उसमें गन्दे जीवाणु पैदा होते रहते हैं कोरोना महामारी के चलते लोग सुधर नहीं पा रहे हैं ऊपर से खाद्य पदार्थ जैसी वस्तुओं को जीवाणु रहित बेचा जा रहा हैं जिसके खाने के प्रयोग में लाये जाने के उपरान्त अनेकों प्रकार की बीमारियाँ पनपने का भय मण्डराता दिखाई दे रहा हैं यहीं हाल फल आदि बेचने वालों का हैं ठेले आदि पर खुलेआम सड़े गले फल बेचे जा रहे हैं विभागीय स्तर पर न तो कोई कार्य वाही की जाती हैं और न ही उनका कोई लगातार चेकिंग अभियान चलाकर खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत मुकदमा पंजीकृत किया जाता हैं जबकि ऐसी स्थिति में फल सब्जी आदि बेचने वालों के होसले आसमान छूते नजर आ रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी वर्ली बिधान सभा के अध्यक्ष दीपक पाटिल का जन्म दिवस मंडल कार्यालय रहिवासी सेवा संघ बी डी डी चाल में हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर पुष्प गुच्छ देकर शुभकामनाएं देते हुए मंडल वरिष्ठ उपाध्यक्ष बालगोविंद तिवारी, साथ में झोपड पट्टी जिला उपाध्यक्ष योगेश कलमकर, उन्नी पिल्ले समस्त विधान सभा पदाधिकारी।

बढ़ता जा रहा हैं बीमारियों का प्रकोप

संवाददाता/नदीम अख्तर
टाण्डा (रामपुर)। पोषमास के चलते सर्दी ने अपना कहर ढाना शुरू कर दिया हैं, बुखार, सर्दी, जुकाम, सांस फूलने वाले मरीजों की संख्या हुई अधिक कमजोर मरीजों का उपचार कराये जाने में आ रही हैं अनेकों प्रकार की दिक्कतें, नहीं हो पा रहा हैं समाधान सर्दी का कहर धीरे धीरे बुखार, सर्दी, जुकाम, खांसी सांस, फूलने की बीमारियों का प्रकोप बढ़ता चला जा रहा हैं सर्दी के मौसम हृदय रोग मरीजों को भी अनेकों प्रकार की कठिनाइयों के चलते जूझना पड़ रहा हैं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में अनेकों प्रकार के मर्जो की दवाइयां कुछ खास मर्जो में चला दी जाती हैं जिससें मरीज को किसी भी प्रकार का कोई लाभ तक नहीं मिल पाता हैं हृदय रोग से सम्बंधित आपातकाल स्थिति में कोई दवाई उपलब्ध न होते हुए मरीज को अन्तत्र रेफर कर दिया जाता हैं हालात गम्भीर होने पर समय से कोई उपचार न मिलने के कारण मौत के आगोश में समा जाता हैं।

आम मुस्लिम समाज के सामुदायिक भवन की भूमि आंवटित की माँग: मुस्लिम महासभा

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन
आमेट। मुस्लिम महासभा के रास्ट्रीय सह सचिव जाफर खान फौजदार, मदीना मस्जिद पूर्व सदर बुंदु कुरेशी एवम अशरफ मोहम्मद शेख द्वारा मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार के नाम का लेटर, उप खण्ड अधिकारी आमेट निशा सहारण को दिया गया जिसमें मुस्लिम समाज राजसमन्द के चारों विधानसभा क्षेत्र में कहीं पर भी मुस्लिम समाज के लिए सामुदायिक भवन नहीं होने से समाज मे विभिन्न कार्यो जैसे मौत, गमी, शादी ब्याह वगरह के लिए कही पर भी कोई सुविधा नहीं होने से आम मुस्लिम समाज मे परेशानी व्याप्त है, मुस्लिम महासभा ने माँग पत्र में बताया कि देलवाड़ा, नाथद्वारा, रेलमगरा, गिलूण्ड, राजनगर, कांकरोली, आमेट, केलवा, देवगढ़, भीम आदि पर आम मुस्लिम समाज के लिए सामुदायिक भवन के लिए भूमि आवंटित करवाई जावे ताकि इसका लाभ आम मुस्लिम समाज को मिल सके इस हेतु आप श्रीमान से पहले भी माँग कर चुके हैं। अतः श्रीमान से मुस्लिम महासभा द्वारा निवेदन किया गया अतिशीघ्र भूमि आवंटित करवाई जाए।

प्रथम इंडो नेपाल ताइक्वांडो प्रतियोगिता में मेघालय खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन

राज्य खेल संघ व राज्य सरकार के प्रति खिलाड़ियों में रोष

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन
मेघालय। विगत दिनों वाराणसी में आयोजित प्रथम इंडो नेपाल ताइक्वांडो अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता का अयोजन ताइक्वांडो संघ चंदौली द्वारा किया गया। इस इंडो नेपाल प्रतियोगिता में भारत नेपाल के कई प्रतियोगियों ने भाग लिया वही भारत से मेघालय की राजधानी शिलांग से ग्यारह खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और विजय घोषित होकर गोल्ड, सिल्वर, ब्रांज मेडल पर कब्जा जमाया, प्रतियोगिता में मुख्य रूप से मेघालय निवासी मो. रज्जाक सरकार को विशेष रूप से ऑफिशियल आमंत्रित किया गया था जो राष्ट्रीय ताइक्वांडो रेफरी है, इस खेल में बेहतर प्रदर्शन कर वानसलान दखर गोल्ड, लानोशा मारबानियांग सोना, फ्रांसिस हेक गोल्ड, संगीता गोल्ड, माइकल सिल्वर, चड़ाना चांदी, उज्जवल बरुआ कांस्य, बलबिंदर पर अपना कब्जा जमाया व सम्मानित हुवे इन खिलाड़ियों का अच्छा प्रदर्शन का सफर काफी कठिन रहा सभी खिलाड़ी मेघालय से वाराणसी तक का सफर अपने खर्च पर किए इसपर न तो राज्य ताइक्वांडो संघ मेघालय का न राज्य सरकार मेघालय का किसी भी सुविधा का सहयोग रहा वही अच्छे प्रदर्शन कर मेडल लेकर लौट रहे खिलाड़ियों का टिकट कंफर्म न होने के कारण उन्हें ट्रेन के शौचालय में बैठ कर घर तक का सफर तय करना पड़ा, विजय घोषित खिलाड़ी बताते है अन्य राज्य के विजय खिलाड़ियों का का स्वागत गाजे बाजे के साथ उनके राज्य खेल संघ व स्थानिये लोगो द्वारा किया गया परंतु हमलोग का सुधबुध लेने वाला कोई नही था बल्कि प्रतियोगिता में हिस्सा लेने पर सौगात के रूप में खिलाड़ियों को राज्य के एक ताइक्वांडो संघ कारण बताओ नोटिस थमा दिया जैसे हमलोग ने प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर और पदक प्राप्त कर बहुत बड़ा अपराध कर दिया हो, यदि यही हाल रहा तो सभी प्रतियोगी इस खेल को छोड़ने पर मजबूर होंगे, खिलाड़ियों ने सरकार से मांग की है की यदि सिलॉन्ग के खिलाड़ियों को सारी सुविधा प्रदान की जाती है तो मेघालय का नाम भारत में ही नही पूरी दुनिया में गूंजेगी।

मतदान अवश्य करें: महबूव अली

सीनियर वार एसोसिएशन तहसील स्वार जिला रामपुर के अध्यक्ष एव पूर्व सरकारी अधिवक्ता महबूव अली एडवोकेट ने अधिवक्ता साथियों तथा वादकारियों से मतदान की अपील की दिनाक 12/1/22 दिन बुधवार को सीनियर वार एसोसिएशन के अध्यक्ष महबूव अली एडवोकेट ने अधिवक्ता साथियों तथा वादकारियों से कहा की आप सभी लोग लोकतंत्र के इस

महापर्व के हिस्सेदार जरुर वने महबूव अली एडवोकेट ने वादकारियों तथा अधिवक्ताओं से अपील करते हुऐ कहा की आप सभी लोग इस विधानसभा चुनाव मे अपने मत का प्रयोग अवश्य करे क्योंकि यह आपका और हमारा सवैधानिक अधिकार है, श्री एम. अली ने लोगो से मतदान करने की अपील की इस दौरान सीनियर वार एसोसिएशन स्वार जनपद रामपुर के अध्यक्ष एव पूर्व सरकार अधिवक्ता महबूव अली एडवोकेट ने लोगों को लोकतंत्र की परिभाषा समझाई महबूव अली एडवोकेट ने कहा, जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा चलाया गया शासन, लोकतंत्र कहलाता है, महबूव अली एडवोकेट ने कहा सवसे वडी ताकद जनता के हाथ मे है, क्योंकि आपके एक वोट से नेता वनते है आपके वोट से सरकार वनती है महबूव अली एडवोकेट ने कहा आप अपने मत का प्रयोग जरूर करे मतदान करने अवश्य जाये।

युवाओं के प्रेरणा स्रोत और राजनिति के ज्ञाता थे विवेकानंद जी: अग्रवाल

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़
भीलवाड़ा (राजस्थान)। स्वामी विवेकानंद जी की जयंती जिला कांग्रेस के नेत्रत्व में मनाई गई जिसमें केएस चौराहे पर स्थित स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उपस्थित कांग्रेसी नेताओ ने अपने विचार रखें! जिला कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष श्री विष्णु अग्रवाल ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने अपने सम्पूर्ण जीवन से युवाओं को प्रेरणा दी हैं! उन्होंने कहा कि स्वामी जी हमेशा कहते थे कि उठो जागो और तब तक संघर्ष करो जब तक लक्ष्य को हाशिल ना कर लो। आज कांग्रेस के कार्यकर्ताओ को को संबोधित करते हुए जब तक भाजपा को इस देश की राजनीति से बाहर ना कर दो तब तक संघर्ष करते रहो! युवा ही देश का भविष्य हैं और आज इस देश के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए हमे संघर्ष करना होगा! जयंती के अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष विक्रम मुदगल, महिला अध्यक्ष लक्ष्मी दिनकर, प्रेमकुमार बंसल, सिराज खान, रामजी लाल माहौर, राजेश राठौर, अमित बंसल, नरोत्तम माहौर, अमर सिंह मौर्य, राज डेविड, राजू अग्रवाल, आशा वेपुरिया, राम पूजन पटेल, शिव नारायण खटीक आदि उपस्थित रहे। उक्त जानकारी अमित बसंल ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

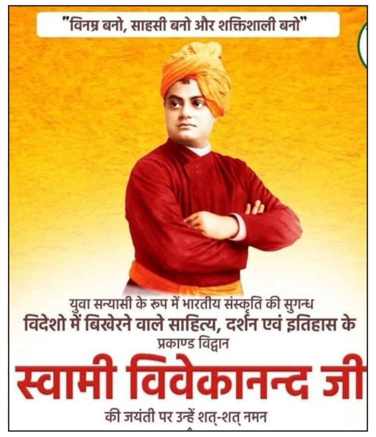

कालियास के पुर्व उप सरपंच एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता माँगी लाल बुनकर का निधन

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़ / भीलवाड़ा (राजस्थान)। जिले की आसींद तहसील के कालियास कस्बे में रहने वाले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पुर्व उप सरपंच माँगी लाल बुनकर का निधन हो गया है! उनकी निधन की खबर से कस्बे व आसपास के गाँवों में शोक की लहर छा गई! वरिष्ठ कांग्रेसी नेता बुनकर अपने पीछे पत्नी, तीन पुत्र शांति लाल, भंवर लाल, ओमप्रकाश व पुत्री सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं, जिनमें से शांति लाल राजकीय सेवा चिकित्सा विभाग में कार्यरत हैं! उनके निधन पर कस्बे के कई कांग्रेसियों ने शोक व्यक्त किया हैं! अधिकतर कांग्रेसियों को ये कहते सुना गया कि उनका निधन पार्टी के लिए बहुत बड़ी क्षति हैं। गौरतलब हैं कि बुनकर की दलित वोट बैंक पर अच्छी पकड़ थी, उन्होंने जीवन पर्यंत कांग्रेस पार्टी के लिए काफी संघर्ष किया हैं।

सिरोंज के सीईओ तुम्हारी कारगुजारियों का क्या कहना?...गजब.. गजब...गजब!

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। मध्यप्रदेश के सिरोंज जनपद के सीईओ ने फर्जीवाड़े में अपना नाम कमाकर इतिहास रच दिया है! इस फर्जीवाड़े की पूरी असलियत की कहानी पढ़ेंगे तो आप आश्चर्यचकित रह जाएंगे और इस घोटाले का परत दर परत खुलासा किया हैं वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक मोहम्मद जावेद खान ने जो वाकई काबिले तारीफ हैं! वरिष्ठ पत्रकार मोहम्मद जावेद खान लिखते हैं कि -

मेरी प्यारी बहनिया,
बनेगी दुल्हनिया,
सज के आएंगे दूल्हे राजा।।
भैया राजा बजाएंगे बाजा।।

विदिशा ज़िले के सिरोंज जनपद पंचायत के सीईओ साहब को मैं जोंक कहूं या घड़ियाल तुझे असुर कहूं या पिशाच। क्योंकि तूने पिया हैं, खून गरीबों का, एक भाई ने सोचा था चलो सरकार के द्वारा गरीब बच्चियों की शादी की व्यवस्था की हैं, उसकी भी बहन लाल जोड़ा पहन कर, अग्नि के सात फेरे लेकर अपने पिया के घर जाएगी, भाई के मन में वही फिल्मी तराना बार-बार आ रहा था, मेरी प्यारी बहनिया बनेगी दुल्हनियां, सजके आएंगे दुल्हे राजा, भैया राजा बजाएगा बाजा। ना बाजा बजा, ना बारात आई, ना बहन ने लाल कपड़े पहने और ना ही अग्नि के सामने सात फेरे लिए और दस्तावेजों में शादी भी हो गई और पैसे भी बंट गए! मध्यप्रदेश के सिरोंज के सीईओ साहब ने कोरोना काल में 3500 गरीब कन्याओं की फर्जी शादी करवा दी,जब शादियों पर पाबंदी थी, लॉक डाउन के समय जब पूरा देश में और पूरा मध्यप्रदेश कोरोना के संक्रमण से जूझ रहा था,लोगों की मौतें हो रही थी, लोग ऑक्सीजन के लिए भटक रहे थे, शमशान में एवं कब्रस्तान में लंबी-लंबी लाइनें लगी थी, अस्पताल के बिस्तर भरे पड़े थे, मरीज अस्पताल में बिस्तरों के लिए भटक रहे थे, तब विदिशा जिले के सिरोंज जनपद पंचायत के सीईओ लॉकडाउन के समय फर्जी शादियों का रिकॉर्ड तैयार कर रहे थे और नोटों के बंडल अपने घर के कमरों में सजा रहे थे। सिरोंज जनपद पंचायत के सीईओ शोभित त्रिपाठी ने सिरोंज जनपद

मोहम्मद जावेद खान

पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रहते हुए विवाह सहायता योजना के तहत 18 करोड़ का घोटाला किया है, शोभित ने उन लोगों को इस महत्वपूर्ण योजना की राशि बांट दी जो इसके पात्र ही नहीं थे,कई फर्जी हितग्राहीयों को भी योजना का पैसा दिया गया। सरकार की इस योजना में निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों और उनके परिवार को शादी के लिए वित्तीय मदद दी जाती है, लेकिन इसके लिए उन श्रमिकों का भवन और अन्य निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में रजिस्ट्रेशन जरूरी है, इसमें कुल 51 हजार रुपये दिए जाते हैं। अब ईओडब्ल्यू ने शोभित त्रिपाठी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है, ईओडब्ल्यू ने शोभित त्रिपाठी के खिलाफ भ्रष्टाचार, गबन, धोखाधड़ी की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है, विदिशा कलेक्टर ने इसकी उच्च स्तरीय जांच की थी, उस जांच में यह आरोप सही पाए गए थे। सीईओ त्रिपाठी ने विवाह सहायता योजना के तहत कोरोना काल में फर्जी हितग्राहियों को करोड़ों रुपए वितरित कर दिए, इसके बाद हुई जांच में आरोप सही पाए गए, जांच में पता चला कि जब लॉकडाउन लगा था तब सार्वजनिक शादियों की अनुमति नहीं थी, तब सीईओ शोभित त्रिपाठी ने 1 अप्रैल 2020 से 30 जून 2021 के बीच करीब 3500 हितग्राहियों को विवाह सहायता के नाम पर 18 करोड़ 52 लाख 32 हजार रुपए बांट दिए! मध्यप्रदेश गले गले तक कर्ज.में डूबा हुआ हैं, मध्यप्रदेश के ऊपर 2 लाख 46 हजार करोड़ का कर्जा हैं, अभी कर्ज. और बढ़ने की संभावना है,इस हिसाब से मध्य प्रदेश के हर व्यक्ति के ऊपर 34 हजार रुपए का कर्ज.है, मध्यप्रदेश में भ्रष्टाचार का बोलबाला है,अगर यह भ्रष्टाचार पर लगाम कस दी जाए तो सरकार को सरकार चलाने में कोई परेशानी नहीं आएगी। प्रदेश के भ्रष्ट अधिकारी, कर्मचारी ऐसे ऐसे कारनामे कर रहे हैं, जिसको सुनकर ऐसा लगता है की प्रदेश का पूरा कर्जा इन भ्रष्ट अधिकारियों एवं कर्मचारियों की वजह से है,सरकार जनहित में जो करोड़ों रुपए की राशि खर्च करती हैं, उस राशि का कुछ ही भाग गरीब जनता तक पहुंचता है,बाकी राशि तो अधिकारियों कर्मचारियों एवं नेताओं के घरों में इकट्ठा हो जाती है।

भ्रष्टाचारी इस युग में,
दूध मलाई खाए ।
बंद एसी कमरों में बैठ,
गरीबों को लूटने की,
योजनाएं बनाएं।।
मुश्किल हुआ जीना,
अधिकारी कर्मचारी लूट
खसोट कर पी जाते,
मेहनत का खून पसीना।।

नफरत की बात करने वाले अपने धर्म, समाज और देश के दुश्मन हैं: मौलाना इरशाद कासमी

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। माँ रोटी बैंक की पाँचवी वर्षगाँठ के मौके पर जहाँ गरीब और कमजोर लोगों को कम्बल वितरित किये गए साथ ही कौमी एकता और सद्भावना का संदेश भी दिया गया, प्रोग्राम में पधारे सन्तोषनन्द महाराज ने कहा कि मानवता सबसे बड़ा धर्म है, हम सबसे पहले इंसान है, उन्होंने बीकानेर की गंगा-जमुनी संस्कृति के साथ जीवन को यापन करने का आह्वान किया,जमीअत उलमा राजस्थान के सचिव मौलाना मोहम्मद इरशाद कासमी ने कहा कि हर धर्म प्यार और मोहब्बत का संदेश देता है किसी मे भी जुल्म और नफरत की गुंजाईश नही है, हमारे देश के नागरिक मजहब और धर्म मे आस्था रखते हैं इसलिए हर धर्म के धार्मिक लोगों को आगे आकर इस नफरत के वातावरण को खत्म करना होगा, साथ ही मुल्क की खूबसूरती सभी वर्ग के लोगों के एकसाथ रहने में ही है, जो नफरत की बात करते हैं वो अपने समाज, देश और धर्म के दुश्मन हैं, डॉक्टर गुरवीर सिंह, एडवोकेट धर्मेंद वर्मा ने कहा कि हमारा भाई-चारा कभी खत्म नही होगा, इकबाल संस्थापक माँ रोटी बैंक ने आखिर में सभी मेहमानों का शुक्रिया अदा किया, इस मौके पर हाजी इकबाल समेजा, डी.पी.पच्चीसिया, हाजी अब्दुल मजीद खोखर, लियाकत साहब, डॉक्टर दीपक स्वामी, रामेश्वर लाल जाखड़, सुनीता तनेजा, सिंधी समाज के युवा अध्यक्ष साजिद भुट्टा, शफी काजी आदि मौजूद थे।

रॉयल ग्रुप के अध्यक्ष वसीम अकरम ने वाय एस एस बल्ड ग्रूप के अध्यक्ष नदीम बक्ष का किया सम्मान

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जोधपुर। जोधपुर द रॉयल ग्रुप के माध्यम से एक रक्त दान शिविर का आयोजन बकरा मंडी रोड़ जोधपुर मे आयोजित किया गया जिसमे द रॉयल ग्रुप के अध्यक्ष वसीम अकरम ने व उस्ताद आबिद छिपा ने वाय एस एस बल्ड ग्रूप के अध्यक्ष नदीम बक्ष का सम्मान किया गया यह सम्मान पिछले कई सालो से जोधपुर के हास्पिटलो मे भर्ती मरीजो के लिए नि शुल्क व नि स्वार्थ बल्ड की आवश्यकता को पुरी करते रहने को देखते हुए नदीम बक्ष को सामाजिक कार्य के उदेश्य से इनका सम्मान किया गया।

धामनगाव बढ़े में पत्रकारों का सत्कार, पत्रकार समाज का आईना : रवि महाजन

संवाददाता/अशफाक युसुफ

धामणगाव बढ़े। पत्रकार दिवस के उपलक्ष्य में पत्रकारों का भी सम्मान हो उसी उद्देश को देखते हुवे स्तानिक रविराज पेट्रोल पंप के संचालक रवि अशोक महाजन ने स्तानिक पत्रकारों का पुष्प गुच्छ तथा गिफ्ट देकर सत्कार किया इस समय पत्रकार नारायण बोरसे, वसंत जगताप, ईसाक पटेल, सादिक शेख, रहीम शेख, सादिक करामत शेख, बूडन कुरेशी, असलम खान, के साथ भास्कर भोरे अदि उपस्तिथ थे। इलेक्ट्रॉनिक, व प्रिंट मीडिया के माध्यम से पूरे देश भर में हर समस्या को उजगार करने का काम आज देश भर में पत्रकार करते आरहे हैं साल भर पत्रकार हर न्यूज को कवर करने के लिए दिली मेहनत करते हैं वैसे ही पत्रकारों की मेहनत लग्न को देखते हुवे पत्रकार दिवस के दिन पत्रकारों का भी सन्मान होना चाहिए पत्रकार समाज मे छुपी बुराइयों को उजगार करते हैं अपनी कलम की ताकत से जनता को अपना अधिकार दिलाते हैं यह काम पूरे देश भर में पत्रकार कर रहे हैं, रवि महाजन, सामाजिक कार्यकर्ते, धामणगाव बढ़े।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अगर आपकी स्किन भी है Sensitive तो फॉलो करें ये टिप्स

हर किसी की स्किन टाइप अलग-अलग होती है और उसकी देखभाल के तरीके भी। हालांकि जिन लड़कियों की स्किन सेंसिटिव होती है उन्हें ज्यादा देखभाल ही जरूर होती है। ऐसा इसलिए क्योंकि सेंसिटिव स्किन अपने साथ कई तरह की परेशानियां जैसे- मुंहासे, रैशेज, खुजली आदि लेकर आती है इसलिए इसकी सही देखभाल बेहद जरूरी है। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि सेंसिटिव की देखभाल कैसे करनी चाहिए...

● क्लीनिंग है सबसे जरूरी

अगर आपकी स्किन सेंसिटिव है तो रोजाना चेहरे की क्लीनिंग जरूर करें। इसके लिए सेंसिटिव स्किन के हिसाब से क्लेंजर लें और चेहरा साफ करें। आपके लिए माइल्ड सल्फेट फ्री क्लेंजर सही रहेगा क्योंकि इसस स्किन को नुकसान नहीं होता और पूरी गंदगी भी बाहर निकल जाती है।

● टोनिंग करें

क्लीनिंग के बाद स्किन की टोनिंग जरूर करें। इसके लिए आप ग्रीन टी या कैमोमाइल टी का इस्तेमाल कर सकती हैं। अगर स्किन पर कील-मुंहासे हैं तो अल्कॉहॉल फ्री टोनर का इस्तेमाल करें।

● क्ले मास्क से निकाल डेड स्किन

त्वचा की मृत कोशिकाएं निकालने के लिए लाइट एक्सफोलिएटिंग स्क्रब का यूज करें। फेशल मास्क के तौर पर केओलिन क्ले का यूज आपके लिए सही रहेगा। इससे कोई साइड-इफैक्ट नहीं होता।

● सही माइश्चराइजर

सेंसिटिव स्किन के लिए ऐसे मॉइश्चराइजर का करें, जिनमें किसी तरह की फ्रेगरेंस यानी खुशबू न हो। इससे एलर्जी या इर्रिटेशन की समस्या हो सकती है। नॉर्मल पानी का यूज सेंसिटिव स्किन है इसलिए इसकी सफाई के लिए न तो ज्यादा ठंडे पानी का इस्तेमाल करें और न ही ज्यादा गर्म।

● सनस्क्रीन

सनस्क्रीन त्वचा को सूरज का हानिकारक किरणों से बचाने का काम करता है लेकिन कोई भी क्रीम आपके लिए सही नहीं है। आप ऐसे सनस्क्रीन यूज करें जिनमें जिंक ऑक्साइड हो। यह सेंसिटिवव स्किन के लिए सुरक्षित होते हैं।

● सही प्रॉडक्ट्स चुनें

रेटिन ए, बेन्जॉइल परऑक्साइड और सैलिसिलिक एसिड वाले प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल सेंसिटिव स्किन को नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप एक्सपर्ट से सलाह लेने के बाद ही किसी भी प्रॉडक्ट्स को यूज करें।

● फेस मास्क

सेंसिटिव स्किन पर हर तरह का फेस मास्क काम नहीं करता। इसके लिए दही और जई के आटे को मिक्स करके चेहरे पर लगाएं। इससे फायदा यह होगा कि चेहरे से मॉइश्चर नहीं निकलेगा और सिर्फ डेड स्किन ही निकलेगी।

हल्दी से दूर करें बॉडी पर पड़े भद्दे स्ट्रेच मार्क्स

हल्दी हमारी स्किन और सेहत दोनों के लिए बहुत फायदेमंद है। इसका इस्तेमाल न केवल चेहरे के दाग-धब्बे बल्कि स्ट्रेच मार्क्स कम करने में भी मदद करता है। डल पड़ी स्किन में फिर से जान डालने के लिए हल्दी सबसे सस्ता और बेहतर उपाय है। तो चलिए जानते हैं कि हल्दी के तमाम गुणों के बारे में जो आपको एक नहीं बल्कि कई तरह की स्किन प्रॉब्लम से बचाकर रखते हैं...

हल्दी से करें Pedicure

फटी एड़ियां, खराब स्किन पैरों की खूबसूरती को कम कर देती है। सैलून में जाकर महिलाएं अक्सर Pedicure करवाती रहती हैं। उन सब के साथ-साथ घर पर भी पैरों की देखभाल बहुत जरुरी है। ऐसे में आप नारियल के तेल में हल्दी मिलकार पेस्ट तैयार कर लें। इस पेस्ट को 5 से 10 मिनट तक अपने पैरों पर लगा रहने दें। सूखने के बाद हल्के हाथों से रगड़कर उतारें। देखते ही देखते आपके पैर एक दम साफ, गोरे और चमकदार हो जाएंगे।

हर तरह की स्किन के लिए

बेस्ट है हल्दी

ज्यादातर ब्यूटी प्रोडक्ट्स सिर्फ एक तरह की ही स्किन का ख्याल रख पाती हैं। मगर पर हल्दी आपकी ड्राई स्किन से लेकर ऑयली, पिंप्लस और नार्मल स्किन सभी के लिए बेस्ट रहती है। 1 चम्मच बेसन में 2 टीस्पून हल्दी मिलाकर इस पेस्ट को हफ्ते में दो बार चेहरे पर जरुर लगाएं। रंग गोरा होने के साथ-साथ आपके चेहरे पर एक अलग सी चमक लाएगा यह हल्दी वाला फेस पैक।

स्ट्रेच मार्क्स होंगे कम

प्रेग्नेंसी के बाद हर महिला को स्ट्रेच मार्क्स हो जाते हैं। आप हल्दी में गुलाब जल मिलाकर स्ट्रेच मार्क्स पर लगाएं इससे स्ट्रेच मार्क्स दूर होंगे। अगर आपके स्टिचिस लगे हैं तो स्टिचिस प्रॉपर ड्राई होने के बाद ही ऐसा करें।

हल्दी के एंटी-बायोटिक गुण पुराने से पुराने दाग को दूर करने की क्षमता रखते हैं। अगर आप 1 चम्मच एलोवेरा में 1 टीस्पून हल्दी मिलाकर लगाती हैं तो उससे आपके पेट की त्वचा सॉफ्ट भी होगी और सारे दाग भी गायब हो जाएंगे।

नाइट क्रीम की तरह करे काम

हल्दी आपकी स्किन पर एक »»fight क्रीम तरह भी काम करती है। रात में सोने से पहले इसे दूध या दही में मिलाकर चेहरे पर लगाए। ऐसा करने से आपको सुबह तक ग्लोइंग स्किन मिलेंगी आपके चेहरे पर निखार आ जाएगा। ऐसा हफ्ते में बस एक ही बार करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आयुष्मान खुराना ने मुंबई में खरीदा अपना ड्रीम हाउस

आयुष्मान खुराना ने काफी कम समय में बॉलिवुड में अपने लिए अलग मुकाम पाई है और इसकी वजह फिल्मों को लेकर उनकी चॉइस और परफॉर्मेंस ही है। जहां प्रोफेशनली आयुष्मान लगातार खुद को बेहतर साबित कर रहे हैं, वहीं पर्सनल लाइफ में एक बड़ी खबर है। बताया जा रहा है कि आयुष्मान खुराना ने सपनों की नगरी मुंबई में अपना आशियाना खरीदा है। खबर के मुताबिक, आयुष्मान खुराना ने मुंबई में अपना शानदार घर खरीद लिया है। इस ड्रीम हाउस की कीमत 19 करोड़ रुपये बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि इस घर के साथ चार कार के लिए पार्किंग स्पेस है। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक, जल्द ही आयुष्मान अपनी वाइफ और बच्चों के साथ नए घर में एंट्री करने वाले हैं। खबर के मुताबिक, इस अपार्टमेंट की रजिस्ट्री 29 नवंबर 2021 को हो चुकी है जिसके लिए ऐक्टर ने 96.50 लाख रुपये की स्टैम्प ड्यूटी पे की है। बताया जा रहा है कि यह एरिया 4,027 स्क्वायर फीट में फैला है। इससे पहले आयुष्मान ने अपने होमटाउन पंचकुला में एक शानदार बंगला खरीद लिया है। आयुष्मान ने यह घर इसलिए खरीदा ताकि उनका पूरा परिवार हां इकट्ठा रह सके। इसे लेकर आयुष्मान ने कहा भी था, 'खुरानाज ने नया फैमिली होम खरीदा है।

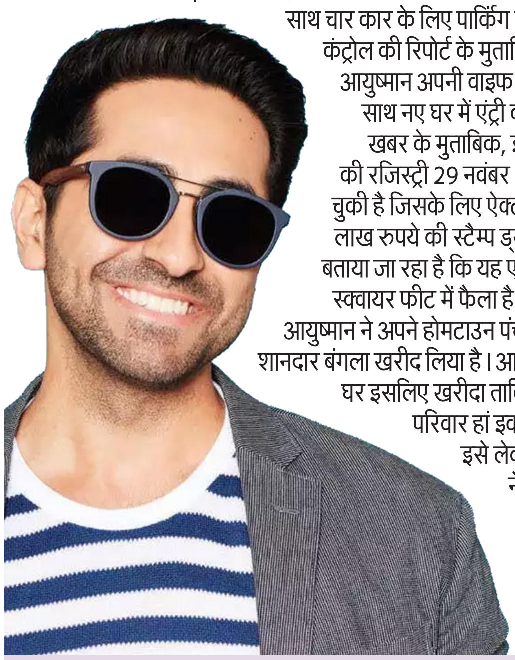

भूमि पेडनेकर की नई फिल्म 'द लेडी किलर' का ऐलान

ऐक्ट्रेस भूमि पेडनेकर की नई फिल्म का ऐलान हो चुका है। उनकी अपकमिंग फिल्म का नाम है 'द लेडी किलर'। इस फिल्म में भूमि पेडनेकर बॉलिवुड अभिनेता अर्जुन कपूर के साथ नजर आएंगी। अर्जुन कपूर पहले ही 'द लेडी किलर' फिल्म की घोषणा सोशल मीडिया पर कर चुके थे लेकिन अब तक फिल्म की लीड ऐक्ट्रेस के नाम का खुलासा नहीं हुआ था। ये पहला मौका होगा जब अर्जुन कपूर-भूमि पेडनेकर की जोड़ी पर्दे पर देखने को मिलेगी। बता दें हाल में ही अर्जुन कपूर को कोरोना हुआ था और वह फिलहाल सेल्फ क्वारंटाइन में हैं। भूमि पेडनेकर की 'द लेडी किलर' फिल्म के बारे में बात करें तो ये एक थ्रिलर फिल्म है जिसे अजय बहल निर्देशित करने वाले हैं। फिल्म को भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और शैलेष आर सिंह प्रड्यूस करेंगे। अजय बहल बॉलिवुड में अब तक 'सेक्शन 375' और 'बीए पास' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। 'द लेडी किलर' के अलावा तापसी पन्नू की आने वाली फिल्म 'ब्लर' पर भी अजय बहल काम कर रहे हैं। वह इन इन दिनों तापसी पन्नू के प्रॉडक्शन हाउस में बनने वाली पहली फिल्म 'ब्लर' के डायरेक्शन में बिजी हैं। इससे पहले अजय बहल की 'सेक्शन 375' की काफी तारीफ हुई थी जो कि एक कोर्ट ड्रामा फिल्म थी।

सुजैन खान पर बॉयफ्रेंड अर्सलान ने बरसाया प्यार

बॉलिवुड और टीवी जगत की कई हस्तियां कोरोना वायरस पॉजिटिव हैं। इनमें रितिक रोशन की ऐक्स वाइफ सुजैन खान भी शामिल हैं। उन्होंने एक दिन पहले ही सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर फैंस को इस बात की जानकारी दी, जिसके बाद तमाम सिलेब्स उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। उनके कथित बॉयफ्रेंड अर्सलान गोनी ने भी उनके ठीक होने की दुआ की है। पिछले कुछ समय से खबर आ रही है कि सुजैन और अर्सलान एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि, दोनों की तरफ से अभी तक ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं आया है, लेकिन अर्सलान ने इंस्टाग्राम पर सुजैन के साथ कई फोटोज भी शेयर की हैं, जिसमें वो सुजैन के काफी करीब नजर आते हैं। अब उन्होंने कोविड-19 पॉजिटिव सुजैन के ठीक होने की कामना करते हुए उनके पोस्ट पर कमेंट किया है। साथ ही दिल और किस वाले इमोजी के जरिए अपने प्यार को भी बयां किया है। सुजैन खान के कथित बॉयफ्रेंड अर्सलान गोनी ने उनके पोस्ट पर कमेंट किया है, 'तुम जल्द ही ठीक हो जाओगी।' इसके साथ ही उन्होंने दिल और किस वाला इमोजी भी बनाया है। उनका रिप्लाई करते हुए सुजैन ने लिखा, 'हां, ठीक हो जाऊंगी। थैंक्यू।' इसके साथ उन्होंने दिल, मास्क और मसल्स वाला इमोजी भी बनाया है।